(c) Does not arise.

Four laning of national highways passing through Maharashtra

4228. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have undertaken feasibility studies for converting various National Highways passing through Maharashtra into four-lane National Highways;

(b) if so, the details thereof and the National Highways selected for the purpose; and

(c) by when four-laning of these National Highways in the State is likely to be completed?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) to (c) Yes, Sir. Feasibility studies for certain sections of National Highways in Maharashtra such as Nashik—lgatpuri (NH-3), Mumbai-Pune and Pune-Bangalore (NH-4) have been undertaken. It is too early to indicate the likely dates of completion of four-laning.

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग के विकास का प्रस्ताव

4229. श्री अजीत जोगी: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को मध्य प्रदेश में राजमार्गों के विकास के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस प्रयोजन के लिए स्वीकृत राशि सहित स्वीकृत प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कुछ स्वीकृत परियोजनाओं के कार्य में देरी हो रही है; और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) से (ग) जी हां। मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए सड़कों और पुलों के लिए 21.67 करोड़ रु. लागत के 6 प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनमें से 5.65 करोड़ रु. लागत से 3 सड़क कार्यों को संस्वीकृति प्रदान की गई है।

(घ) और (ङ) भूमि अधिग्रहण के मामले में बाधाओं, उपयोगी सुविधाओं को हटाने, एजेंसियों द्वारा कार्य बन्द कर दिए जाने, पुनः एजेंसियों नियत करने में अतिरिक्त समय लगने और निधियों के अभाव इत्यादि के कारण कुछ परियोजनाओं के मामले में विलम्ब हुआ है।

GEO-Synthetics Material for Construction of Road

4230. DR. B. B. DUTTA: Will the Minsiter of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether a three-day Indo-US Workshop on "ground improvement using goo-synthetics" was held in New Delhi;

(b) if so, the details thereof;

(c) the suggestions made by the exports;

(d) whether Government propose to use goo-synthetics materials for construction of roads in natural disaster prone and hill areas; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) and (b) Yes, Sir. A three days' Indo-U.S. Workshop was held from 26th to 28th March, 1997. This was organised by the Central Road Research Institute, New Delhi in collaboration with the University of New Orleans, Louisiana, U.S.A. and funded by the National Science Foundation, U.S.A., Department of Science and Technology, Council of Scientific and Industrial Research, India. Prominent national and international companies from India, U.S.A. and Italy sponsored/ cosponsored the Workshop to discuss the use of geo-synthetics in its various applications.

(c) Suggestions were made on various usages of geo-synthetics in construction of payment, embankment and protection works and on reduction in duty, etc.

(d) and (e) Such usages have already been made on a limited scale due to high cost of geo-synthetics.

दिल्ली से सिरसा तक राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 को चार लेन वाला बनाने के लिए राशि

4231. **श्री रामजीलाल:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली से सिरसा, वाया हिसार के राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 को चार लेन वाला बनाने के लिए चालू वर्ष के बजट में कितनी राशि उपलब्ध करवाई गई है;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य के कब तक पूरा किये जाने की संभावना है;

(ग) क्या बजट में उक्त प्रावधान राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 10 के लिए पर्याप्त नहीं है; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी०वेंकटरामन): (क) से (घ) हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 11.00 करोड़ रु० की राशि निर्धारित की गई है। निधियों का आबंटन राज्यवार किया जाता है न कि परियोजना-वार। दिल्ली से सिरसा तक राष्ट्रीय राजमार्ग 10 को चार लेन का बनाए जाने से संबंधित स्थिति इस प्रकार है:—

(i) दिल्ली और बहादुरगढ़ के बीच का खंड पहले से ही चार लेन का है।

(ii) 1997-98 की योजना में हरियाणा में रा०रा०—10 को बहादुरगढ़ से सिरसा तक चार लेन का बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की दुर्दशा

4232. **श्री चरेन्द्र मोहन:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की दुर्दशा के बारे में जानकारी है;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में सरकार को इस संबंध में कोई आदेश या निदेश जारी किये हैं;

(ग) उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव पर खर्च की गई कुल राशि कितनी है तथा वे स्थान कौन से हैं, जहां यह राशि खर्च की गई है; और

(घ) क्या यह सुनिश्चित करने के लिये कि राशि ठीक प्रकार से खर्च की गई, कोई जांच कराई गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्री (श्री टी०जी० वेंकटरामन): (क) और (ख) जी नहीं। उपलब्ध निधियों के अंतर्गत सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में रखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को समय-समय पर निर्देश दिए गए हैं/दिए जा रहे हैं।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए उत्तर प्रदेश को वर्ष 1995-97 के लिए 3377.40 लाख रु० आबंटित किए गए हैं जिसका पूर्णतः उपयोग कर लिया गया है।

(घ) राज्य सरकार ने किसी अनियमितता की कोई सूचना नहीं दी है, इसलिए जांच का प्रश्न ही नहीं उठता।

Fuel saving by concrete roads

4233. DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether concrete roads can save 20% fuel as experimented by the Central Road Research Institute, National highway Authority of India etc. in Palwal recently; and

(b) if so, the plans envisaged for concretisation of all National Highways to save fuel?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) It is not possible to make a general statement regarding saving in fuel on the basis of limited experiments. Government has not sponsored any exhaustive study on this aspect.